केन्द्रीय विद्यालय, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) में दिनांक 03 अक्तूबर 2019 “प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम” का आयोजन

“प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम” के अंतर्गत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने **केन्द्रीय विद्यालय, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)** के 10+1 (विज्ञान संकाय) के 60 विद्यार्थियों के लिए वानिकी तथा पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक **03 अक्तूबर 2019** को दोपहर बाद **केन्द्रीय विद्यालय, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)** में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें विद्यार्थियों के अतिरिक्त 1 संकाय सदस्य भी उपस्थित रही ।

कार्यक्रम के प्रारंभ में **डॉ वनीत जिष्टू,** वैज्ञानिक-डी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने **केन्द्रीय विद्यालय** के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों का अभिनंदन तथा स्वागत करने के बाद **“प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम”** के बारे में अवगत कराया । उन्होंने कहा कि ***भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्***, देहरादून तथा **केन्द्रीय विद्यालय संगठन**, नई दिल्ली के मध्य एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया, जिसके तहत परिषद् के अंतर्गत देश के विभिन्न भागों में स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों को वानिकी एवं पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से **“प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम”** प्रारंभ किया गया है। *भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्*, देहरादून जो कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन एक स्वायत संस्था है तथा वानिकी अनुसंधान एवं पर्यावरण के क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही हैं । उन्होंने विद्यार्थियों को हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान पश्चिमी हिमालय राज्यों - हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में वानिकी एवं वानिकी अनुसन्धान तथा पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है व संस्थान की गतिविधियों के बारे में भी विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया ।

डॉ जिष्टू ने पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को **“जल-एक आवश्यक प्राकृतिक संसाधन एवं जैविक विविधता”** पर प्रस्तुति दी। उन्होंने विद्यार्थियों को शीत मरुस्थल में पायी जाने वाली पौधों की प्रजातियों तथा उनके उपयोग के बारे में भी अवगत कराया तथा विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का संस्थान के वैज्ञानिक द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की जीव विज्ञान की अध्यापिका **श्रीमती रोमा तेगटा** ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला से आए वैज्ञानिक तथा कर्मचारियों **डॉ वनीत जिष्टू, श्री मंजीत कुमार, श्री भानु वर्मा** का धन्यवाद करते हुये कहा कि उनके द्वारा दी गयी जानकारी से छात्र निश्चित रूप से लाभान्वित होंगे तथा आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी संस्थान द्वारा पर्यावरण एवं वानिकी से संबन्धित विभिन्न विषयों पर इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन समय-समय पर करते रहेंगें। उन्होनें इस तरह के आयोजन करने के लिए *भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्*, देहरादून, के महानिदेशक तथा हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला के निदेशक का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

****